आदर्श प्रश्न पत्र

शैक्षणिक सत्र 2024–25 हेतु उत्तराखण्ड बोर्ड द्वारा निर्धारित अंक–विभाजन व प्रश्नों के प्रारूप ;(Design and Typology) पर आधारित,

---

प्रस्तुतकर्ता – डॉ. हरिनन्द भट्ट, रा. आ. इ. का. नागथात (कालसी) देहरादून।

रोल नं

मुद्रित पृष्ठों की संख्या– 5

112 **2025** 412 (XYZ)

अर्थशास्त्र

ECONOMICS

समय – 3 घंटे, पूर्णांक – 80

निर्देश –

- *इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। दोनों खण्डों के सभी 28 प्रश्न अनिवार्य हैं।*
- *प्रश्नों हेतु निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।*

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

- प्रत्येक प्रश्न को ध्यान पूर्वक पढ़िये तथा समुचित उत्तर दीजिए।
- प्रश्न संख्या 01 तथा 15 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। इन प्रश्नो ं के प्रत्येक खण्ड के उत्तर मे ं चार विकल्प दिये गए हैं।
- सही विकल्प अपनी उत्तर पुस्तिका मे ं लिखिए। प्रश्न संख्या 02 स े 04 तथा 16 स े 18 तक निश्चित उत्तरीय प्रश्न हैं।
- प्रश्न संख्या 05 से 08 तथा 19 से 22 तक प्रत्येक का उत्तर लगभग 50 शब्दो ं मे ं दीजिए।
- प्रश्न सखं या 09 से 11 तथा 23 से 25 तक का उत्तर 70 शब्दों मे ं दीजिए।
- प्रश्न संख्या 12 से 14 तथा 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर लगभग 120 शब्दो ं मे ं दीजिए।
- इस प्रश्न पत्र मे ं प्रश्न सख्ंया 28 केस स्टडी पर आधारित है। इसे ध्यानपूवर्क पढ़कर पाँचो ं प्रश्नो ं के उत्तर लिखिए।

THE ECONOMICS GURU

खण्ड 'अ'

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

1. (क) निम्न मे ंसे कौन–सा आर्थिक क्रिया का उदाहरण है – 1

A. उत्पादन
B. उपभोग
C. विनिमय
D. उपरोक्त सभी

(ख) निम्न मे ं से आर्थिक समस्या का कारण है – 1

A. असीमित आवश्यकताये ं
B. सीमित साधन
C. साधनो ंके वैकल्पिक उपयोग
D. उपरोक्त सभी

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

(ग) निम्न मे ंसे कौन–सी वस्तुये ंएक दूसर`की स्थानापन्न नहीं हैं – 1

A. चाय तथा कॉफी
B. चीनी तथा गुड़
C. पेन तथा स्याही
D. इनमे ं मे ं से कोई नहीं

(घ) जब कुल उत्पादन मोड़ के बिन्दु पर होता है तो सीमान्त उत्पादन – 1

A. गिरता है
B. ऋणात्मक होता है
C. शून्य होता है
D. अधिकतम होता

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

(ङ.) निम्नलिखित कथनो ंकी विवेचना करे ं –

1

कथन 1 :– पूर्ण प्रतियोगी बाजार मे ं क्रेताओ ं और विक्रेताओ ं की संख्या बहुत अधिक होती है।

कथन 2 :– पूर्ण प्रतियोगी बाजार में विक्रेता अथवा क्रेता बाजार कीमत को प्रभावित नहीं कर पाता है।

A. दोनों कथन सही हैं।
B. कथन 1 सही है, परन्तु कथन 2 असत्य हैं।
C. दोनों कथन गलत हैं ।
D. कथन 1 असत्य है, परन्तु कथन 2 सत्य हैं।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

2. बजट सेट से आप क्या समझते हैं? 1

उत्तर: उपभोक्ता के बजट सेट से अभिप्राय उन सब समूहों से है, जिसे प्रचलित बाजार मूल्य पर उपभोक्ता अपनी आय से खरीद सकता है।

3. घटिया वस्तुओ में आय मांग वक्र का ढाल कैसा होता है? 1

उत्तर: धनात्मक (निचे से ऊपर की ओर)

4. वस्तु की कीमत और पूर्ति में क्या संबंध है? 1

उत्तर: धनात्मक सम्बन्ध

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

5. सीमांत उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए। सीमांत उपयोगिता ज्ञात करने का सूत्र बताइए। 2

उत्तर: सीमांत शब्द का अर्थ है - एक अतिरिक्त।

किसी वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई के उपभोग से जो अतिरिक्त उपयोगिता मिलती है उसे सीमांत उपयोगिता कहते हैं।

MU = TUn – TUn-1

6. बाजार की विशेषताएं बताइए। 2

उत्तर: बाजार वह क्षेत्र है जहाँ किसी वस्तु के क्रेता और विक्रेता आपसी संपर्क में आकर एक निश्चित वस्तु पर वस्तु का क्रय विक्रय करते हैं।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

7. पूर्ति अनुसूची को स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर: एक विक्रेता किसी समय अवधि विशेष में विभिन्न कीमतों पर वस्तुओं की जितनी मात्रा बाजार को बेचने को तैयार रहता है, उसे यदि तालिका के रूप में प्रदर्शित किया जाये तो उसे हम पूर्ति तालिका कहते हैं।

8. औसत उत्पाद से क्या अभिप्राय है? औसत उत्पाद ज्ञात करने का सूत्र बताइए। 2

उत्तर: परिवर्तनशील साधन के प्रति इकाई उत्पादन को औसत उत्पादन कहा जाता है।

कुल उत्पादन को परिवर्तनशील साधनों से भाग देने पर जो राशि प्राप्त होती है, उसे औसत उत्पादन कहा जाता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

9. दीर्घकालीन उत्पादन फलन व अल्पकालीन उत्पादन फलन से आप क्या समझते हैं? 3

उत्तर: **अल्पकालीन उत्पादन फलन** वह होता है जिसमें कुछ स्थिर साधनों की मात्रा के साथ किसी एक परिवर्तन जी साधन की इकाइयों में परिवर्तन के फलस्वरूप उत्पादन की मात्रा पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जाता है।

दीर्घकालीन उत्पादन फलन दीर्घकाल का अभिप्राय उस लंबी समय अवधि से जिसमें फर्म अपने उत्पादन क्षेत्र में प्रयोग होने वाले सभी उत्पत्ति के साधनों को परिवर्तित कर सकती है। और कोई भी उत्पत्ति का साधन स्थिर नहीं रहता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

10. तटस्थता वक्र क्या है? रेखाचित्र की सहायता से समझाइए। 3

उत्तर: उदासीनता वक्र वह वक्र है जिसका प्रत्येक बिंदु दी वस्तुओं के ऐसे संयोगों को बताता है जिससे किसी उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्राप्त होती है

संयोग क्रम	वस्तु X	वस्तु Y
A	1	20
B	2	14
C	3	10
D	4	8

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

11. स्थानापन्न को परिभाषित कीजिए। दो वस्तुओ ंके उदाहरण दीजिए जो एक दूसर` की स्थानापन्न हैं? **3**

उत्तर: वे वस्तुएं जो एक दूसरे के बदले एक ही उद्देश्य के लिए प्रयोग की जाती है जैसे चाय या कॉफी।

ऐसी वस्तुओं में जब एक वस्तु की कीमत में वृद्धि होती है, तब अन्य बातें सामान रहने की दशा में स्थानापन्न वस्तुओं की मांग में भी वृद्धि हो जाएगी।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अथवा

कुल आगम, औसत आगम व सीमांत आगम से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: **कुल आगम (Total Revenue)**

किसी फर्म का कुल आगम वस्तु की एक इकाई कीमत तथा कुल विक्रय की गई इकाइयों के गुणनफल द्वारा प्राप्त किया जाता है।

सीमांत आगम (Marginal Revenue)

उत्पादन य फर्म वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई की बिक्री से जो अतिरिक्त आगम प्राप्त होता है, उसे सीमांत आगम कहते हैं।

औसत आगम (AVERAGE REVENUE)

इस प्रकार कुल आगम को बिक्री की गई इकाइयों से भाग देने पर औसत आगम प्राप्त होता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

12. एक उपभोक्ता किसी वस्तु की कीमत ₹ 3 प्रति इकाई हो जाने पर 40 इकाई की खरीद करता है। कीमत बढ़कर ₹ 4 प्रति इकाई हो जाने पर वस्तु की खरीद घटकर 30 इकाई हो जाती है। कुल व्यय विधि से गणना करते हुए मांग की कीमत लोच बताइए। 5

उत्तर:

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

13. पूर्ति की लोच से क्या आशय है ? इसके मापन की विधियो ं की विवेचना कीजिए। 5

उत्तर: पूर्ति की लोच किसी वस्तु की कीमत में होने वाले परिवर्तन के परिणामस्वरूप उसकी पूर्ति में होने वाले परिवर्तन की माप है।

प्राय: पूर्ति की लोच मापने के लिए आनुपातिक या प्रतिशत वृद्धि का प्रयोग किया जाता है।

रीति में,

पूर्ति की लोच मापने के लिए पूर्ति में होने वाले अनुपातिक या प्रतिशत परिवर्तन को कीमत में होने वाले आनुपातिक या प्रतिशत परिवर्तन से भाग दे दिया जाता है।

सूत्र,

पूर्ति की लोच = $\frac{\text{वस्तु की पूर्ति में अनुपातिक परिवर्तन}}{\text{वस्तु की कीमत में आनुपातिक परिवर्तन}}$

$$Es = \frac{\Delta Q}{\Delta P} \times \frac{P}{Q}$$

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

14. संतुलन कीमत क्या है? पूर्ण प्रतियागिता में यह कैसे निर्धारित होती है? स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर: **मार्शल** के अनुसार एक पूर्ण प्रतियोगिता बाजार किसी वस्तु के मूल्य निर्धारण वस्तु के मांग पक्ष और पूर्ति पक्ष के द्वारा होता है । उनके अनुसार मांग पक्ष उपभोक्ता से संबंधित होता है , जो कम से कम कीमत पर अधिक मात्रा खरीदना चाहता है जबकि पूर्ति पक्ष उत्पादक से संबंधित है जो अधिक से अधिक कीमत पर ज्यादा मात्रा बेचना चाहता है।

इस प्रकार बाजार में जिस बिंदु या कीमत पर उपभोक्ता वस्तु को खरीदने और उत्पादक उसे बेचने के लिए तैयार हो जाये उसे संतुलन मूल्य कहा जाता है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थात जिस बिंदु पर वस्तु की मांग और वस्तु की पूर्ति दोनों बराबर हो उस बिंदु पर बस्तुं का मूल्य निर्धारित हो जाता है ।

संतुलन कीमत → वस्तु की मांग = वस्तु की पूर्ति

उदहारण :-

कीमत (₹)	मांग (D)	पूर्ति (S)
2	100	20
4	80	40
6	60	60
8	40	80
10	20	100

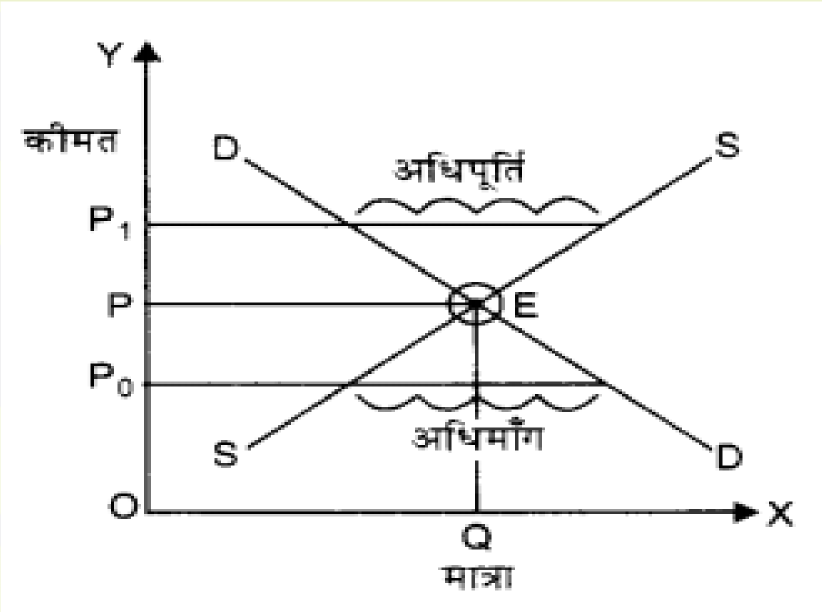

THE ECONOM
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

खण्ड 'ब'

15. (क) साधन आय है – 1

A. लगान
B. ब्याज तथा लाभ
C. वेतन व मजदूरी
D. उपर्युक्त सभी।

(ख) व्यापारिक बैंक के संदर्भ में कौन–सा कथन सही है – 1

A. दीर्घकालीन ऋण देता है।
B. अल्पकालीन ऋण देता है।
C. साख का सृजन करता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

D. उपर्युक्त सभी।

(ग) गुणक व सीमांत बचत प्रवृति मे ं सम्बन्ध का सूत्र है— 1

A. 1/1-MPC

B. 1/1-MPS

C. उपर्युक्त दोनों

D. इनमे ं से कोई नहीं

(घ) संतुलित बजट का गुण है— 1

A. यह वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करता है।

B. यह फिजूलखर्ची से बचाता है।

C. उपर्युक्त दोनो ं

D. इनमे ं से कोई नहीं

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

(ड.) निम्नलिखित कथनो ं की विवेचना करे ं . 1

कथन 1. जब विनिमय दर घरेलू मुद्रा में व्यक्त की जाती है तो बढ़ती हुई विनिमय दर हमारे देश के लिए प्रतिकूल (विपक्ष में) होगी।

कथन 2. जब विनिमय दर विदशे ाी मुद्रा मे ं व्यक्त की जाती है तो बढ़ती हुई विनिमय दर हमार` अनुकूल (पक्ष में) होगी।

इन कथनो ं में :

A. दोनों कथन सही हैं तथा कथन – 2, कथन – 1 की सही व्याख्या है
B. दोनों कथन सही हैं। परन्तु कथन – 2, कथन – 1 की सही व्याख्या नहीं है।
C. कथन– 1 सत्य है, परन्तु कथन – 2 असत्य है ।
D. कथन – 1 असत्य है, परन्तु कथन – 2 सत्य है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

16. राश्ट्रीय आय किसे कहते हैं? **1**

उत्तर: देश के सभी नागरिकों द्वारा अर्जित सभी साधनों के आयों के योग को राष्ट्रीय आय कहते है।

17. प्रभावपूर्ण मांग क्या है? **1**

उत्तर: अर्थव्यवस्था की वह स्थीति जब सामूहिक मांग, सामूहिक आपूर्ति के बराबर होती है, उसे प्रभावपूर्ण मांग कहते है।

18. प्रो० जे० एम० कीन्स की वर्ष 1936 में प्रकाशित प्रसिद्ध पुस्तक का नाम बताइए। **1**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उत्तर: The General Theory of Interest, Employment and Money

19. मुद्रा पूर्ति के मापो ं को स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर: मुद्रा पूर्ति के माप:-

M1= लोगों के पास करेंसी (नोट, सिक्का आदि) + जो पैसा बैंक में जमा है (Current या सेविंग अकाउंट में) + RBI के साथ अन्य जमा

M2= M1 + Post Office में जमायें (Only Demand Deposits)

M3= M1 + बैंकों के साथ समय जमायें (Time Deposits)

M4= M3 + Post Office में जमायें (time deposit + recurring deposit) पर National Savings Certificates को छोड़कर

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

20. निवेश गुणक क्या है? 2

उत्तर: कीन्स का विचार था कि अर्थव्यवस्था में जब भी कोई स्वायत्त निवेश किया जाता है, तब आय केवल निवेश के आकर में वृद्धि नहीं होती है बल्कि आय में निवेश के कई गुना अधिक वृद्धि होती है। निवेश की तुलना में आय में जितने गुना वृद्धि होती है उसे गुणक कहते है।

21. यदि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का मान 0.5 हो तो गुणक का मान बताइए। 2

उत्तर:

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

22. भुगतान संतुलन के चालू तथा पजूंीगत खाते की मदो ं का उल्लखे कीजिए। 2

उत्तर: **भुगतान संतुलन के चालू खातों के मदें:**

- दृश्य मदों का आयात एवं निर्यात
- अदृश्य मदों का आयात एवं निर्यात
- एकपक्षीय अंतरण

पूंजी खाते की मदें:

- सरकारी एवं गैर सरकारी मदें
- निवेश
- ऋण

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

23. व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समश्टि अर्थशास्त्र में अंतर बताइए। 3

उत्तर:

व्यष्टि अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र
व्यष्टि अर्थशास्त्र व्यक्तिगत अर्थव्यवस्था के स्तर पर आर्थिक संबंधो अथवा आर्थिक समस्याओं का अध्ययन करता है।	समष्टि अर्थशास्त्र सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के स्तर पर आर्थिक संबंधो अथवा आर्थिक समस्याओं का अध्ययन करता है।
व्यष्टि अर्थशास्त्र मुख्यतः एक व्यक्तिगत फर्म अथवा उद्योग में उत्पादन तथा कीमत के निर्धारण से संबंधित है ।	समष्टि अर्थशास्त्र का सम्बन्ध सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था में कुल उत्पादन तथा सामान्य कीमत स्तर के निर्धारण से है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

इसके मुख्य उपकरण मांग और पूर्ति है ।	इसके मुख्या उपकरण समग्र मांग और समग्र पूर्ति है ।

24. वस्तु विनिमय प्रणाली की सीमायें क्या हैं ? 3

उत्तर: 1. **दोहरे संयोग का अभाव** - वस्तु-विनिमय प्रणाली की सबसे बड़ी कठिनाई दोहरे संयोग का अभाव है। इस प्रणाली में व्यक्तियों को ऐसे व्यक्ति की खोज में भटकना पड़ता है, जिसके पास उसकी आवश्यकता की वस्तु हो और वह व्यक्ति अपनी वस्तु के बदले में स्वयं उस मनुष्य की वस्तु लेने को तैयार हो। ऐसा संयोग मिलना कठिन होता है। ।

2. मूल्य के सर्वमान्य माप का अभाव-वस्तु - विनिमय प्रणाली में मूल्य का कोई सर्वमान्य माप नहीं होता, जिसके द्‌वारा प्रत्येक वस्तु के मूल्य को विभिन्न वस्तुओं के सापेक्ष निश्चित किया जा सके। दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी वस्तु का अधिक मूल्य ऑकते हैं, जिससे वस्तु-विनिमय में कठिनाई होती है।

3. **वस्तु के विभाजन में कठिनाई** - कुछ वस्तुएँ ऐसी होती हैं जिनका विभाजन नहीं किया जा सकता; जैसे—गाय, बैल, भेड़, बकरी, कुर्सी, मेज आदि; क्योंकि इनका विभाजन करने से

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

इनकी उपयोगिता समाप्त हो जाती है। अत: वस्तु-विनिमय प्रणाली में वस्तुओं की अविभाज्यता भी बहुधा कठिनाई का कारण बन जाती

अथवा

सीमांत उपभोग प्रवृत्ति व सीमांत बचत प्रवृत्ति के संबंध की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: **सीमांत बचत प्रवृत्ति तथा सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का योग सदैव इकाई के बराबर होता है अर्थात MPC + MPS = 1 । इसका कारण यह है कि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) आय में वृद्धि और उपयोग में वृद्धि के अनुपात को प्रकट करती है, जबकि सीमांत बचत प्रवृत्ति आय में वृद्धि और बचत में वृद्धि के अनुपात को प्रकट करती है ।**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

25. व्यापार शेष व भुगतान शेष में अंतर बताइए। 3

उत्तर: व्यापार शेष व भुगतान शेष में अंतर

व्यापार का संतुलन	भुगतान संतुलन
परिभाषा	
व्यापार संतुलन या बीओटी एक वित्तीय विवरण है जो देश के शेष विश्व के साथ वस्तुओं के आयात और निर्यात को दर्शाता है।	भुगतान संतुलन या बीओपी एक वित्तीय विवरण है जो देश द्वारा शेष दुनिया के साथ सभी आर्थिक लेनदेन का ट्रैक रखता है।
यह किससे संबंधित है?	

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

यह उस शुद्ध लाभ या हानि से संबंधित है जो किसी देश को माल के आयात और निर्यात से होता है।	यह राष्ट्र द्वारा किए गए लेन-देन के उचित लेखांकन से संबंधित है।
मौलिक डी प्रभाव	
व्यापार संतुलन (बीओटी) वह अंतर है जो माल के निर्यात और आयात से प्राप्त होता है।	भुगतान संतुलन (बीओपी) विदेशी मुद्रा के प्रवाह और बहिर्वाह के बीच का अंतर है।
लेन-देन का प्रकार शामिल है	
माल से संबंधित लेनदेन BoT में शामिल हैं।	स्थानांतरण, सामान और सेवाओं से संबंधित लेनदेन बीओपी में शामिल हैं।

26. राष्ट्रीय आय की गणना विधियो ं को समझाइए। 5

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उत्तर: राष्ट्रीय आय से अभिप्राय किसी राष्ट्र की एक वर्ष के दौरान आर्थिक क्रियाओ के परिणाम स्वरुप उत्पादित अंतिम '**वस्तुओं एवं सेवाओं**' के मौद्रिक मूल्य से होता है।

उत्पाद विधि या मूल्य वर्धित विधि

राष्ट्रीय आय की गणना इस तकनीक का उपयोग करके वस्तुओं और सेवाओं के प्रवाह के रूप में की जाती है। सबसे पहले, हम एक वर्ष में किसी अर्थव्यवस्था में उत्पन्न सभी अंतिम उत्पादों और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य की गणना करते है।

धन का मूल्य बाजार कीमतों पर मापा जाता है, बाजार कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद (सकल घरेलू उत्पाद) कुल राशि है।

फॉर्मूला: एनएनपीएफसी = जीडीपीएमपी - मूल्यह्रास - शुद्ध अप्रत्यक्ष कर + एनएफआईए, या,

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

एनएनपीएफसी = जीडीपीएमपी - मूल्यह्रास - शुद्ध उत्पाद कर - शुद्ध उत्पादन कर + एनएफआईए

आय विधि

राष्ट्रीय आय की गणना इस तकनीक का उपयोग करके कारक आय के संचलन के रूप में की जाती है।

उत्पादन के मुख्य रूप से चार पहलू हैं: श्रम, भूमि, पूंजी और उद्यमिता। श्रम की भरपाई मज़दूरी और वेतन से की जाती है, पैसे की भरपाई ब्याज से की जाती है, ज़मीन की भरपाई किराये से की जाती है, और उद्यमिता की भरपाई लाभ से की जाती है।

इसके अलावा, विशिष्ट स्व-रोज़गार व्यक्ति, जैसे चिकित्सक, वकील और सीए, अपना पैसा और श्रम स्वयं प्रदान करते हैं। उनकी आय को मिश्रित आय कहा जाता है। इन सभी कारक आय को कारक लागत पर एनडीपी (एनडीपीएफसी) कहा जाता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

सूत्र: राष्ट्रीय आय = किराया + मुआवजा + ब्याज + लाभ + मिश्रित आय

व्यय विधि

चूंकि आप पहले से ही आय तकनीक से अवगत हैं, तो आइए व्यय विधि पर नजर डालें। राष्ट्रीय आय निर्धारित करने के लिए निपटान चरण के दौरान व्यय दृष्टिकोण को भी नियोजित किया जा सकता है।

यह बाजार कीमतों पर अंतिम जीडीपी खर्च की गणना करके राष्ट्रीय राजस्व निर्धारित करता है। तैयार माल पर खर्च की गई राशि को अंतिम व्यय कहा जाता है।

अंतिम उत्पाद अंतिम निवेश और उपभोग के लिए आवश्यक हैं। इसलिए, अंतिम निवेश और उपभोग की आवश्यकता सभी चार आर्थिक क्षेत्रों द्वारा उत्पन्न होती है, जिसमें घर, उद्यम, सरकार और बाकी दुनिया शामिल हैं।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

सूत्र: राष्ट्रीय आय: घरेलू उपभोग + सरकारी व्यय + निवेश व्यय + शुद्ध निर्यात (निर्यात - आयात)

एनएनपीएफसी = सी + जी + आई + एनएक्स

27. न्यून मांग की समस्या क्या है? इसके अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों का उल्लेख कीजिए। 5

उत्तर: **न्यून मांग:** **न्युन मांग वह स्थिति है जिसमे सामूहिक मांग पूर्ण रोजगार स्तर के लिए आवश्यक सामूहिक पूर्ति से कम होती है ।**

AD < AS

न्यून मांग के कारण :

किसी भी देश में न्युन मांग के निम्नलिखित कारण हो सकते है:

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

1. सरकार द्वारा करेंसी की पूर्ति करने अथवा बैंकों द्वारा साख निर्माण को घाटा देने के कारण देश में कुल मुद्रा की पूर्ति में कमी ।
2. बैंक दर में वृद्धि से परिणाम मांग में कमी ।
3. करों में वृद्धि के परिणामस्वरूप स्वायत्त आय एवं उपभोग मांग में कमी ।
4. सार्वजानिक मांग में कमी
5. बचत प्रवृत्ति में वृद्धि के कारण उपभोग मांग में कमी ।
6. निर्यात मांग में कमी ।

न्यून मांग के आर्थिक प्रभाव -

1. **उत्पादन पर प्रभाव :** न्यून मांग के कारण वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में कमी आ जाती है तथा उत्पादक इकाइयाँ वर्तमान दर पर उत्पादन नहीं कर पाती है तथा उत्पादक लागत में वृद्धि होने लगती है ।
2. **रोजगार पर प्रभाव:** मांग में कमी के कारण उत्पादक वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन में कमी करता है जिससे उत्पादन कार्य में लगे लोगों में रोजगार की कमी होने लगती है और अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी बढ़ने लगती है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

3. **कीमतो पर प्रभाव**: यदि देश कुल मांग कुल पूर्ति की तुलना में कम है इसका सामान्य प्रभाव यह होगा की देश में कीमत स्तर में कमी आने लगती है ।

अथवा

समग्र माँग के घटको की विवेचना कीजिए।

उत्तर: कुल मांग के घटकों को नीचे सूचीबद्ध किया गया है:

(i) निजी उपभोग व्यय (C): निजी उपभोग व्यय से तात्पर्य किसी अर्थव्यवस्था में सभी परिवारों द्वारा अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रकार की अंतिम वस्तुओं और सेवाओं पर किए गए कुल व्यय से है। उपभोग प्रयोज्य आय के स्तर पर निर्भर करता है।

उपभोग व्यय दो प्रकार के होते हैं: स्वायत्त उपभोग व्यय और प्रेरित

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उपभोग व्यय।

(ii) निजी निवेश व्यय (I): निजी निवेश व्यय से तात्पर्य सभी निजी निवेशकों द्वारा पूंजीगत वस्तुओं के निर्माण पर किए गए नियोजित (एक्सेंट) कुल व्यय से है। नई मशीनरी, उपकरण, भवन, कच्चे माल आदि पर किया गया व्यय। मोटे तौर पर, निवेश को दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है: स्वायत्त निवेश व्यय और प्रेरित निवेश व्यय।

(iii) सरकारी व्यय (G): सरकारी व्यय से तात्पर्य समाज के कल्याण को बढ़ाने और उच्च आर्थिक विकास दर प्राप्त करने के लिए उपभोग और निवेश उद्देश्यों पर सरकार द्वारा किए गए कुल नियोजित व्यय से है।

(iv) शुद्ध निर्यात (X-M): शुद्ध निर्यात से तात्पर्य शेष विश्व (निर्यात) द्वारा घरेलू स्तर पर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं की मांग और किसी देश के निवासियों द्वारा विदेशों में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं की मांग

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

के बीच के अंतर से है। दूसरे शब्दों में, यह निर्यात और आयात के बीच का अंतर है/

28. निम्न केस स्टडी को ध्यान पूर्वक पढ़कर निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5

बजट सरकार के वित्तीय प्रशासन का केन्द्र बिन्दु होता है। इसकी सहायता से प्रस्तावित व्यय को संभावित आय के साथ संतुलन किया जाता है। भारत जैसे राष्ट्र मं` सरकार जनता के प्रति हिसाब देयता के लिए उत्तरदायी होती है कि सार्वजनिक धन का उपयोग किस प्रकार किया गया है और सरकार द्वारा पूर्व स्वीकृतियो ं का पालन किया गया है या नहीं। इन उद्देश्यो ंकी पूर्ति बजट के माध्यम से ही होती है। बजट से देश में विविध आर्थिक क्रियाओ ं का विश्लेषण किया जा सकता हो वर्तमान समय म` प्रत्येक दश्े ा म` किसी न किसी रूप में आर्थिक नियोजन और आर्थिक विकास के कार्यक्रमो ं को

अपनाया जा रहा है। नियोजन के लिए वित्तीय साधन जुटाने और नियोजन में निर्धारित आर्थिक नीतियों को लागू करने में बजट की उल्लेखनीय भूमिका है। बजट किसी भी देश में आय और व्यय की क्रियाओं का निर्देशन करता है। सरकारी बजट अर्थव्यवस्था को आर्थिक क्रिया के ऊंचे स्तर पर स्थिर रखता है। बजट किसी राष्ट्र की वित्तीय स्थिति के लिए दर्पण, दीपक और दिग्सूचक यन्त्र के रूप में कार्य करता है।

i. **बजट क्या है?**

उत्तर: सरकारी बजट एक वार्षिक वित्तीय विवरण है जो एक वित्तीय वर्ष के दौरान अपेक्षित राजस्व और अनुमानित व्यय का आइटम-वार अनुमान दर्शाता है।

ii. **बजट के मुख्य उद्देश्य बताइये।**

उत्तर: **सरकारी बजट के विभिन्न उद्द्देश्य हैं:**

- संसाधनों का पुन: आवंटन

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

- आय और धन में असमानताओं को कम करना।
- आर्थिक स्थिरता।
- सार्वजनिक उद्यमों का प्रबंधन।

iii. **मंदीकाल मं` "घाट` का बजट" क्यो ं बनाना चाहिए?**

उत्तर: घाटे के बजट में सरकार के व्यय, प्राप्तियों से अधिक होता है, जिससे अर्थव्यवस्था में मुद्रा पूर्ति का विस्तार है और मांग में वृद्दि होती है। अत: मंदी की स्थिति से उबरने के लिए घाटे का बजट बनाना चाहिए।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

iv. किसी देश की वित्तीय स्थिति का निर्देशन किसके माध्यम से किया जा सकता है?

उत्तर: बजट के द्वारा

v. बजट आर्थिक नियोजन मे कैसे सहायक हो सकता है?

उत्तर: भारत की अर्थव्यवस्था के तीन क्षेत्रों के सहसंबंध के साथ बजट परिभाषा का महत्व बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह घरेलू आय के उचित और उचित वितरण के साथ-साथ एक मौलिक कर संरचना तैयार करने का प्रयास करता है जो किसी भी तरह से लाभान्वित होगा। अर्थव्यवस्था के निम्न-आय वर्ग के लिए। इनके अलावा, केंद्रीय बजट में शामिल हैं; राजस्व बजटिंग और पूंजीगत बजटिंग सरकार की विभिन्न एजेंसियों को सार्वजनिक सेवाओं और संसाधनों के आवंटन पर भी ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करती है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

LIKE AND **SHARE** THE CLASS LINK

SUBSCRBE YOUTUBE CHANNEL

THE ECONOMICS GURU

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

FOLLOW ME ON *INSTAGRAM* / @dhali_sir

FOLLOW ME ON *FACEBOOK* / NAKUL DHALI

www.theeconomicsguru.com

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE